दैनिक भास्कर 2/1/2017

सफरनामा केंद्रीय भेड़-ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में 1998 में हिमिकृत भ्रूण स्थानांतरित कर पैदा किया पहला कृत्रिम गर्भ का मेमना

अब भेड़ एक साथ चार मेमनों को दे सकेंगी जन्म

भास्कर न्यूज | मालपुरा

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में किए गए अनुसंधान के बाद अब एक भेड एक साथ चार मेमने तक पैदा कर सकेगी। यह अनुसंधान अविकानगर में वैज्ञानिकों द्वारा अठारह सालों से किए गए गहन अनुसंधान के बाद संभव हो सका है। अभी तक एक भेड़ केवल एक ही मेमना पैदा करती रही है। इस नस्ल का नाम संस्थान की और से अविशान रखा गया है। संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एम नकवी ने बताया कि केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में पचपन साल के सफर दौरान भेड व ऊन के साथ साथ बकरी व चारे तथा भेड़ों के स्वास्थ्य संबंधी शोध कर अनेक आयाम स्थापित किए गए है।

कब क्या हुए शोध

अविकानगर निदेशक डॉ. एस एम के नकवी के अनुसार अविकानगर के वैज्ञानिकों ने हिमिकृत पद्धति से भ्रूण स्थानांतरण कर वर्ष 1998 में पहला कृत्रिम गर्भाधान का मेमना पैदा किया। इस का नाम ईदू रखा गया, क्यों यह ईद के दिन हुआ। यहां टेस्ट ट्यूब विधि से वर्ष 99 में मेमने पैदा किए गए। एक साल में तीन बार मेमने पैदा करने तथा एक भेड़ से एक बार में एक से अधिक मेमने पैदा करने की विधि विकसित संस्थान में शौध के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है।

दुंबा नस्ल की भेड़ पर मांस उत्पादन वृद्धी के लिए हो रहा है अनुसंधान।

रेवड की भेड़ों को एक साथ मद में लाने के लिए बनाया स्पंज

भेड़ पालकों की रेवड की सभी भेड़ों से एक साथ मेमने प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया वैज्ञानिकों का प्रयास आखिर सफल रहा। वर्ष 2005 में संस्थान के वैज्ञानिकों ने ऐसे स्पंज का निर्माण किया, जिससे रेवड की सभी भेड़ों को एक साथ मद में लाया जा सकता है तथा एक साथ कृत्रिम गर्भाधान कर एक ही समय में सभी भेड़ों से मेमने पैदा किए जा सकते है। अविकानगर के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए देश स्पंज की देशभर में मांग बढ़ने के अलावा विदेशों में मांग बढ़ी है।

1975 में बनाया भेड़ हेल्थ कलेंडर

वर्ष 1975 में अविकानगर संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा भेड़ों के स्वास्थ्य पर एक कलेंडर विकसित किया गया। इस कलेंडर के आधार पर भेड़ों का ध्यान रख कर उन्हें मरने से बचाया जा सकता है। हेल्थ कलेंडर विकसित करने से पहले इलाके में भेड़ों की मृत्यु दर पंद्रह से बीस प्रतिशत थी जो वर्ष 2015-16 में घट कर मात्र पांच प्रतिशत रह गई है।

राजस्थान पत्रिका 1/1/2017

राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेला 4 को

मालपुरा @ पत्रिका. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में संस्थान के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर 4 जनवरी को राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी ने दी।